विद्यालय नेतृत्व

पढ़ाने–सीखने की प्रक्रिया का रूपांतरण करना: छात्रों के प्रभावी ढंग से सीखने के लिए संसाधनों का प्रबंधन करना

भारत में विद्यालय आधारित समर्थन के माध्यम से शिक्षक शिक्षा

www.TESS-India.edu.in

http://creativecommons.org/licenses/

यह विद्यालय नेतृत्व ओईआर (ओपन एजुकेशनल रिसोर्स) TESS-India द्वारा विद्यालय प्रमुखों को उनकी समझ और कौशलों को बहतर बनाने के लिए परिकिल्पित 20 इकाइयों के समुच्चय में से एक है ताकि वे अपने विद्यालय में अध्यापन और सीखने की प्रक्रिया का नेतृत्व कर सकें। ये इकाइयाँ स्टाफ, छात्रों और अन्य लोगों द्वारा विद्यालय में किए जाने के लिए हैं तथा आवश्यक रूप से अभ्यास आधारित हैं। जो प्रभावी विद्यालयों के शोध एवं शैक्षणिक अध्ययन पर आधारित हैं।

इन इकाइयों के अध्ययन के लिए कोई अनुशंसित क्रम नहीं है, लेकिन 'विद्यालय प्रमुख सक्षमकर्ता के रूप में' शुरू करने के लिए सर्वोत्तम स्थान रखता है, क्योंकि यह संपूर्ण समुच्चय के लिए दिशा प्रदान करता है। आप विशिष्ट थीमों से संबंधित संयोजनों में इकाइयों का अध्ययन करने का चुनाव कर सकते हैं; ये इकाइयाँ नेशनल कॉलेज ऑफ लीडरशिप करिकुलम फ्रेमवर्क (भारत) के मुख्य क्षेत्रों के साथ संरेखित किए गए हैं: जिनके प्रमुख क्षेत्र 'विद्यालयी नेतृत्व पर दृश्य', 'स्वयं का प्रबंधन और विकास करना'; 'शिक्षण अधिगम प्रक्रिया का रूपांतरण करना'; 'भागीदारियों का नेतृत्व करना', नवप्रवर्तन एवं नेतृत्व पर उन्मुखीरकण आदि।

कुछ इकाइयाँ एक से अधिक मुख्य क्षेत्र को संबोधित करती हैं।

इन इकाइयों का उपयोग विद्यालय प्रमुखों द्वारा स्व-अध्ययन के लिए या पढ़ाए गए नेतृत्व कार्यक्रम के भाग के रूप में किया जा सकता है। दोनों ही परिप्रेक्ष्यों में, व्यक्तिगत सीखने की डायरी रखने में और गतिविधियों और केस स्टडी की चर्चा के माध्यम से अनुभव साझा करने में उपयोगी हैं। शब्द 'विद्यालय प्रमुख' का उपयोग इन इकाइयों में मुख्याध्यापक, प्रधानाध्यापक, प्रिंसिपल, सहायक अध्यापक या विद्यालय में नेतृत्व का दायित्व लेने वाले किसी भी व्यक्ति के संदर्भ में किया जाता है।

वीडियो संसाधन

आइकन संकेत देता है कि वे TESS-India विद्यालय नेतृत्व वीडियो संसाधन कहाँ हैं, जिनमें विद्यालय प्रमुख बतलाते हैं कि वे अपने विद्यालय में शिक्षण अधिगम की प्रक्रिया में सुधार करने के लिए परिवर्तन कैसे ला रहे हैं। हमें उम्मीद है कि वे आपको इसी तरह के अभ्यासों के साथ प्रयोग करने के लिए प्रेरित करेंगे। इन्हें पाठ-आधारित इकाइयों के माध्यम से आपके कार्य अनुभव को परिपूर्ण एवं संमृद्ध करने के लिए रखा गया है, यदि आप उनका उपयोग करने में असमर्थ रहते हैं, तो भी यह इकाइयाँ उपयोगी एवं लाभाकारी हैं। TESS-India के वीडियो संसाधनों को TESS-India की वेबसाइट (http://www.tess-india.edu.in/) पर ऑनलाइन देखा जा सकता है या डाउनलोड किया जा सकता है। विकल्प के तौर पर, आप इन वीडियो को सीडी या मेमोरी कार्ड के माध्यम से भी उपयोग कर सकते हैं।

TESS-India विद्यालय समर्थित शिक्षक–शिक्षा परियोजना के बारे में :–

TESS-India का उद्देश्य है छात्र-केंद्रित, सहभागी दृष्टिकोण के विकास में विद्यालय प्रमुखों एवं शिक्षकों की सहायता के लिए मुक्त शिक्षा संसाधनों (OERs) के प्रावधानों के माध्यम से भारत में प्रारम्भिक और माध्यमिक शिक्षकों की कक्षा अभ्यासों में सुधार लाना। 105 TESS-India विषय OERs शिक्षकों को भाषा, विज्ञान और गणित के विषयों में विद्यालय की पाठ्यपुस्तक के लिए एक पूरक पुस्तिका प्रदान करते हैं। वे शिक्षकों के लिए अपनी कक्षाओं में विद्यार्थियो के साथ प्रयोग करने के लिए गतिविधियाँ प्रदान करते हैं, जिनमें यह दर्शाने वाले केस स्टडी भी शामिल रहती हैं कि अन्य शिक्षकों द्वारा उस विषय को कैसे पढ़ाया गया, अपनी पाठ योजनाएँ तैयार करने के लिए तथा विषय संबंधी ज्ञान के विकास में सहायक संसाधन भी शामिल हैं।

TESS-India OERs को भारतीय पाठ्यक्रम और संदर्भों के अनुकूल भारतीय तथा अंतरराष्ट्रीय लेखकों के सहयोग से तैयार किया गया है और ये ऑनलाइन तथा प्रिंट उपयोग के लिए उपलब्ध हैं (http://www.tess-india.edu.in/)। OER भाग लेने वाले प्रत्येक भारतीय राज्य के लिए उपयुक्त, कई संस्करणों में उपलब्ध हैं, उपयोगकर्ताओं को इन्हें अपनाने, अपनी स्थानीय जरूरतों व संदर्भों की पूर्ति के लिए उनका अनुकूलन एवं स्थानीयकरण करने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

TESS-India मुक्त विश्वविद्यालय, ब्रिटेन के नेतृत्व में तथा ब्रिटेन की सरकार द्वारा वित्त-पोषित है।

संस्करण 2.0 SL16v1
Uttar Pradesh

तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरएलाइक लाइसेंस के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है: http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/
TESS-India is led by The Open University UK and funded by UK aid from the UK government

यह इकाई किस बारे में है

विद्यालय नेता के रूप में, आप यह सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार हैं कि सभी छात्रों को सीखने में पूरी तरह से भाग लेने के लिए अवसर और सहायता मिले। ऐसा तभी संभव होगा यदि संसाधनों का प्रबंधन प्रभावी ढंग से और सीखने की प्रक्रिया को सुधारने के स्पष्ट प्रयोजन के साथ किया जाय। अब तक का संबसे महत्वपूर्ण संसाधन जिसे विद्यालय नेता प्रबंधित करता है वह है मानव संसाधन। आपको लोगों के एक ऐसे समूह (शिक्षक, अन्य स्टाफ, छात्र, मातापिता और समुदाय के सदस्य) में पहुँच प्राप्त है जो सीखने का समर्थन करने के लिए कौशलों और ज्ञान का योगदान कर सकते हैं। मानव संसाधन प्रबंधन के साथ–साथ आप वित्तीय और भौतिक संसाधनों के प्रबंधन के लिए भी जिम्मेदार होंगे ताकि सुनिश्चति किया जा सके कि वे छात्रों की सीखने की प्रक्रिया को सुधारने के लिए उपयुक्त और सुलभ हैं और उनका उपयोग प्रभावी ढंग से किया जाय।

भारत में विद्यालयों के सन्दर्भ वृहत् रूप से भिन्न हैं, जो पर्यावरण और उनकी भौगोलिक स्थिति की जलवायु से लेकर उनके छात्रों की संस्कृतियों और भाषाओं तक विस्तृत हैं। कोई विद्यालय सचमुच छोटा सा हो सकता है जैसे किसी ग्रामीण क्षेत्र का एकमात्र शिक्षक वाला बहु–श्रेणी विद्यालय, या किसी मैदानी इलाके के बड़े शहर में हजारों की तादाद में छात्रों के लिए स्टाफ की बड़ी संख्या से युक्त हो सकता है। छात्रों को विद्यालय के बाहर अलग अलग प्रकार के संसाधन सुलभ होंगे लेकिन सभी विद्यालय–आधारित संसाधन सभी छात्रों को समान रूप से उपलब्ध होने चाहिए, ताकि उनकी सीखने की जरूरतें पूरी की जा सकें।

चित्र 1 शैक्षणिक संसाधनों को समान रूप से सुलभ कराने की चुनौती।

कई विद्यालयों में सीखने में सहायता देने के लिए सीमिक भौतिक संसाधन होते हैं, लेकिन मानसिकता के बदल जाने पर, विद्यालय के सभी संसाधन – जिनमें लोग, परिवेश, और उससे परे, वृहत् समुदाय के संसाधन शामिल हैं – सीखने के संसाधनों के रूप में उपलब्ध हो जाते हैं।

शिक्षकों और छात्रों दोनों के पढ़ाने–सीखने के अनुभव को समृद्ध करने में सक्षम होने के लिए विद्यालय नेताओं और शिक्षकों को शैक्षणिक संसाधनों के इस वृहत् अनुभव को अपनाने की जरूरत है।

यह इकाई आपको इस अवधारणा को बेहतर समझने में मदद करेगी कि शैक्षणिक संसाधन क्या होता है और आपको यह अन्वेषण करने के लिए प्रोत्साहित करेगी कि कैसे सर्वोत्तम ढंग से सुनिश्चित किया जाय कि संसाधनों का उपयोग उनके अधिकतम प्रभाव के लिए किया जा रहा है।

सीखने की डायरी

इस इकाई में काम करते समय आपसे अपनी सीखने की डायरी में नोट्स बनाने को कहा जाएगा। यह डायरी एक किताब या फोल्डर है जहाँ आप अपने विचारों और योजनाओं को एकत्र करके रखते हैं। संभवतः आपने अपनी डायरी शुरू कर भी ली है।

इस इकाई में आप अकेले काम कर सकते हैं, लेकिन यदि आप अपने सीखने की चर्चा किसी अन्य विद्यालय नेता के साथ कर सकें तो आप और भी अधिक सीखेंगे। यह आपका कोई सहकर्मी, जिसके साथ आप पहले से सहयोग करते आए हैं, या कोई व्यक्ति हो सकता है जिसके साथ आप नए संबंध का निर्माण कर सकते हैं। इसे नियोजित ढंग से या अधिक अनौपचारिक आधार पर किया जा सकता है। आपकी सीखने की डायरी में बनाए गए आपके नोट्स इस प्रकार की बैठकों के लिए उपयोगी होंगे, और साथ ही आपकी दीर्घावधि की शिक्षण-प्रक्रिया और विकास का प्रतिचित्रण भी करेंगे।

इस इकाई से विद्यालय नेता क्या सीख सकते हैं

- विद्यालय के भीतर और बाहर उपलब्ध संसाधनों के विस्तृत प्रकारों को समझना।
- अपेक्षा से कम उपयोग किए जा रहे संसाधनों पर ध्यान देते हुए आपके विद्यालय में अलग अलग संसाधनों की पहचान करना।
- यह सुनिश्चित करने के लिए कि संसाधनों का सीखने के लिए उपयुक्त और प्रभावी ढंग से उपयोग किया जा रहा है, स्टाफ को शामिल करें।
- आपके विद्यालय में संसाधनों के प्रभावी उपयोग के लिए योजना बनाना।

1 आपके विद्यालय के भीतर और बाहर संसाधनों के प्रकार

किसी भी चीज को चर्चा, विश्लेषण, प्रेक्षण, तुलना या प्रयोग के माध्यम से सीखना सुलभ करने वाले शैक्षणिक संसाधन में बदला जा सकता है। बेशक, संसाधनों की उपलब्धता का एक वित्तीय आयाम है: कुछ के लिए पैसा खर्च करना होगा और उसके लिए धन के स्रोत खोजने होंगे। लेकिन अन्य संसाधन मुक्त रूप से उपलब्ध हैं, बस उन्हें पहचाना जाना है।

तालिका 1 संसाधनों की कुछ अलग अलग श्रेणियों की पेशकश करती है जिसका उपयोग करके विद्यालय सीखने के एक अधिक समृद्ध पर्यावरण की रचना कर सकता है। हो सकता है आपने उन पर पहले कभी संसाधनों के रूप में विचार नहीं किया हो। निम्नलिखित गतिविधि आपको यह समीक्षा करने के लिए आमंत्रित करेगी कि आपके विद्यालय में कौन से संसाधन उपलब्ध हो सकते हैं।

तालिका 1 *संसाधनों की श्रेणियाँ।*

	श्रेणी 1: लोग – शिक्षक, छात्र, मातापिता, गैर–शिक्षक स्टाफ, पूर्व छात्र, अन्य विद्यालयों का स्टाफ, पड़ोसी, प्रायोजक, संरक्षक, समुदाय में मौजूद विशेषज्ञ, आदि।
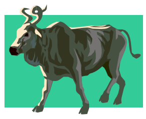	**श्रेणी 2: जीवित वस्तुएं** – पालतू और जँगली जानवर, पक्षी, कीड़े, रेंगने वाले जंतु, उनके रहने और एकत्र होने के स्थान, पेड़, फूल, फसलें, फल, सब्ज़ियाँ, आदि।
	श्रेणी 3: विद्यालय का पर्यावरण – अंदर के स्थान, जैसे कक्षाएं, बाथरूम, रसोइयाँ, कार्यालय, गलियारे और प्रयोगशालाएं; बाह्य स्थान; उष्मा, शोर, प्रकाश के स्रोत, आदि।
	श्रेणी 4: कक्षा के उपकरण – डेस्क, कुर्सियाँ, ब्लैकबोर्ड, आदि।
	श्रेणी 5: स्थानीय पर्यावरण – शहरी, ग्रामीण, तटीय, पर्वतीय, जलवायु, नदी, औद्योगिक, कृषि योग्य, आदि।
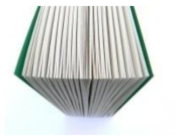	**श्रेणी 6: वस्तुएं** – किताबें, लिखने की वस्तुएं, पोस्टर, नक्शे, गेम, गणित की किट, प्रयोगशाला उपकरण, कम्प्यूटर, मोबाइल फोन, कला की वस्तुएं, औजार, सैटेलाइट टीवी, विषय से संबंधित संसाधन, शिल्पकृतियाँ, आदि।

यह महत्वपूर्ण है कि आप अपने विद्यालय में उपलब्ध संसाधनों को 'विद्यालय के लिए अनुसूचित कायदे और मानक' के अंतर्गत शिक्षा का अधिकार कानून 2009 (RtE) के आधार पर देखें, जिनमें कई पहलुओं को स्पष्ट किया गया है; नामतः, शिक्षक, भवन, एक शैक्षणिक वर्ष में काम के दिनों या पढ़ाई के घंटों की न्यूनतम संख्या, शिक्षक के लिए प्रति सप्ताह काम के घंटों की न्यूनतम संख्या, पढ़ाने–सीखने के उपकरण, पुस्तकालय, और खेलने की सामग्री, गेम्स और उपकरण।

गतिविधि 1: कौन से संसाधन उपलब्ध हैं?

कोई विषय क्षेत्र या पाठ्यचर्या का कोई विशिष्ट भाग चुनें (उदा. पढ़ाया जाने वाला विषय) जिससे आप परिचित हैं। आपको इसे स्वयं पढ़ाने से या अपने स्टाफ द्वारा पढ़ाए जाते समय देखने से समझ उत्पन्न होगी। आदर्श रूप से, विषय को पढ़ाने वाले किसी स्टाफ के सदस्य या स्टाफ के समूह के साथ मिलकर काम करें, ताकि आप संसाधनों से संबंधित मुद्दों में अतिरिक्त अंतर्दृष्टि प्राप्त कर सकें। ये स्टाफ आपके लिए गतिविधियों को पूरा करने के लिए एक कार्यकारी समूह बना सकते हैं क्योंकि आप इकाई में विभिन्न बिंदुओं पर इस लेखा परीक्षा पर लौटेंगे।

- तालिका 1 में श्रेणियों का उपयोग करते हुए, वर्तमान में उपलब्ध और सीखने में सहायता के लिए प्रयुक्त संसाधनों की पहचान करें। नीचे दिए गए उदाहरण की तरह, संसाधनों की श्रेणी पहचानें और पता करें कि क्या वे विद्यालय के मैदानों के भीतर हैं या उनसे परे हैं। शुरू करने में आपकी मदद के लिए तालिका 2 में अलग अलग श्रेणियों से संसाधनों के कुछ उदाहरण दर्शाए गए हैं (श्रेणियों की संख्या दी गई है)। प्रत्येक संसाधन के लिए, पहचान करें कि क्या वह विद्यालय में है या विद्यालय के बाहर है।

***तालिका 2** यह पहचानने के लिए उदाहरण कि कौन से संसाधन विद्यालय के भीतर और कौन से उसके बाहर उपलब्ध हैं।*

संसाधन		विद्यालय की इमारतों और मैदानों में उपलब्ध	विद्यालय की परिमिति से परे उपलब्ध
	श्रेणी 1: लोग नजदीक स्थित दुकानदार		✓
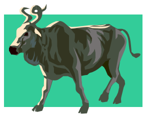	**श्रेणी 2: जीव–जंतु और वनस्पति** सब्जियों का खेत और आम का पेड़	✓	
	श्रेणी 3: विद्यालय का पर्यावरण खेल का मैदान	✓	
	श्रेणी 3: विद्यालय का पर्यावरण प्रत्येक कक्षा में ब्लैकबोर्ड	✓	
	श्रेणी 5: स्थानीय पर्यावरण नदी		✓
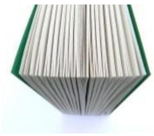	**श्रेणी 6: सामग्रियां** इंटरनेट कैफे		✓

- अब उन संभावित संसाधनों के बारे में सोचें जिनका उपयोग आप इस विषय के लिए कर सकते हैं जिनका उपयोग वर्तमान में नहीं किया जाता है। इस बारे में ध्यानपूर्वक सोचें कि इस क्षेत्र के लिए शिक्षा का समर्थन करने में क्या प्रभावी होगा और मानव संसाधनों पर भी सावधानी से विचार करें (यानी सोचें कि क्या कोई स्टाफ, छात्र या मातापिता इस शिक्षा में प्रभावी ढंग से योगदान कर सकते हैं)।

- जब आप अपनी तालिका पूरी कर लें, प्रत्येक संसाधन पर एक बार फिर नज़र डालें और वे दो संसाधन पहचानें जो संभवतः आपके सभी छात्रों को समान रूप से सुलभ नहीं हैं। इस बारे में याद रखने के लिए इन संसाधनों के बगल में एक सितारा बनाएं। उदाहरण के लिए, आप नोट कर सकते हैं कि ब्लैकबोर्ड दीवार पर इतनी ऊँचाई पर लगे हैं कि कम कद वाले छात्र उन पर लिख नहीं सकते हैं, या कि केवल लड़के ही नदी के किनारे खेलते हैं। आपको जो भी कोई असमानताएं दिखाई दें उन्हें अपनी सीखने की डायरी में नोट करें, और सोचें कि आप इस बात को अपने संसाधनों के उपयोग में कैसे ध्यान में रख सकते हैं।

- अंत में, अपनी सूची पर फिर से विचार करें और नोट करें कि कौन से संसाधन मुफ्त ('☺' से चिह्नित करें) हैं और किनके लिए पैसों की जरूरत है ('/रु.' का निशान बनाएं)।

चर्चा

उन संसाधनों की पहचान करना जो आप वर्तमान में उपयोग करते हैं या जो आपको सुलभ हैं, और अन्य संभावनाओं तथा क्या वे प्रभावी, समावेशी सीखने को प्रोत्साहित करते हैं इस बारे में सोचना आपके विद्यालय के संसाधनों का प्रबंधन करने की ओर पहला कदम है।

आपने संभवतः पहचान कर ली होगी कि कुछ संसाधनों का उपयोग अन्य की अपेक्षा अधिक प्रभावी ढंग से किया जा रहा है और आपने कुछ ऐसे संसाधन खोजे होंगे जिन्हें आपने अब तक संसाधनों के रूप में नहीं सोचा था। आप इस उपयोगी सूची का प्रयोग सारे मॉड्यूल भर में करेंगे और आपको स्टाफ के विशिष्ट सदस्यों के साथ काम करना जारी रखकर उनके द्वारा संसाधनों के उपयोग के बारे में आपकी समझ विकसित करने में मदद मिल सकती है।

आपने संसाधनों तक पहुँच में असमानता की पहचान करनी भी शुरू कर दी होगी। ये असमानताएं लिंग, आय, घर की स्थिति, आकार, शारीरिक निःशक्तता या

अन्य कारकों के कारण हो सकती हैं। यह महत्वपूर्ण है कि सबको उपलब्ध संसाधनों का उपयोग किया जाय, या असुविधाग्रस्त छात्रों के लिए वकिल्प उपलब्ध कराए जायं। उदाहरण के लिए, कक्षा में लड़कों द्वारा कम्पयूटर को हथिया लिया जाना आम हो सकता है; इसलिए शिक्षकों को लिंग की असमानता को संबोधित करने के लिए लड़कियों को कम्प्यूटर पर समय आबंटित करना होगा और छात्रों को अधिक बराबरी के साथ साझा करने की जम्मिदारी लेने को लिए प्रोत्साहित करना होगा।

संसाधनों के लिए पैसे का इंतज़ाम करना एक समस्या हो सकता है। कई विद्यालयों में संसाधनों में निवेश करने के लिए उपलब्ध धन की कमी होती है, इसलिए उन संसाधनों (मनुष्य और सामग्री) पर ध्यान केंद्रित करना महत्वपूर्ण होता है जो मुफ्त हैं। संसाधनों को खरीदने या उनकी कीमत चुकाने के लिए धन जमा करना प्रायः आसान होता है यदि इन संसाधनों के प्रयोजन और प्रभाव को धन देने वालों के समक्ष स्पष्ट किया जा सके (देखें खंड 5)।

2 अपने विद्यालय के भीतर और बाहर अपेक्षा से कम उपयोग में लाए गए संसाधनों की पहचान करना

अब आप विचार करने जा रहे हैं कि आपने जिन मौजूदा संसाधनों की पहचान शिक्षा के समर्थन के लिए की है आपका स्टाफ उनका उपयोग कितनी अच्छी तरह से करता है। आपके पास सभी कक्षाओं में ब्लैकबोर्ड होंगे, लेकिन छात्रों की सक्रिय शिक्षा के लिए कितनी अच्छी तरह और कितनी बार उनका उपयोग किया जाता है? संभव है उनका बहुत अधिक उपयोग नहीं किया जाता है क्योंकि उनका काला पेंट इतना घिस चुका होता है कि उस पर लिखी गई बातें कक्षा के पीछे बैठे छात्रों को स्पष्ट नहीं दिखती हैं, या उनका उपयोग प्रदर्शन स्थलों की बजाय गतहीिन प्रदर्शन वस्तुओं की तरह किया जाता है। अलग अलग संसाधनों के वास्तविक उपयोग को सटीकता से पहचानने के लिए ये फैसले करने से पहले आप चाहें तो स्टाफ के संबंधित सदस्यों के साथ सहयोगात्मक रूप से काम कर सकते हैं।

गतिविधि 2: संसाधनों का किस सीमा तक वास्तव में उपयोग किया जाता है?

गतिविधि 1 में आप द्वारा पहचाने गए संसाधनों की सूची का उपयोग करके, प्रत्येक में निम्नलिखित ग्रेडों में से एक को जोड़कर सोचें कि ये संसाधन कितने प्रभावी ढंग से शिक्षा का समर्थन करते हैं:

- **A:** सक्रिय शिक्षा का समर्थन करने में बहुत प्रभावी।
- **B:** सक्रिय सीखने का समर्थन करने में आंशिक रूप से प्रभावी, लेकिन उतनी बार उपयोग में नहीं लाया जाता जितनी बार संभव है।
- **C:** सक्रिय सीखने का समर्थन करने के लिए आंशिक रूप से प्रयुक्त, क्योंकि हमेशा प्रभावी ढंग से या इसकी पूरी क्षमता तक प्रयुक्त नहीं होता है, या केवल कुछ छात्रों के साथ उपयोग में लाया जाता है।
- **D:** सीखने का समर्थन करने में प्रभावी नहीं, क्योंकि या तो बिल्कुल ही उपयोग में नहीं लाया जाता है या प्रभावहीन ढंग से उपयोग किया जाता है।

एक बार फिर, इन विभिन्न संसाधनों को ग्रेड करने या उनका आकलन करने के बारे में फैसलों में अन्य लोगों (शिक्षक, विद्यालय प्रबंधन कमेटी (एसएमसी) के सदस्य, छात्र और मातापिता) को शामिल करना आपके लिए उपयोगी हो सकता है।

आपको पता चला होगा कि आपको इन विभिन्न संसाधनों की ग्रेडिंग या आकलन के बारे में फैसलों में अन्य लोगों को शामिल करने की जरूरत है। ब्लैकबोर्ड के उदाहरण का उपयोग करते हुए, कक्षा में प्रेक्षण करना या शिक्षकों या छात्रों से वर्णन करने को कहना होगा कि ब्लैकबोर्ड उनकी शिक्षा में कैसे सहायता करता है ताकि यह जाना जा सके कि क्या उसका उपयोग विषयों का अन्वेषण, अवधारणाएं साझा करने या तर्कों का विकास करने में छात्रों की प्रभावी ढंग से सहायता करने के लिए किया जाता है।

3 सीखने के लिए संसाधनों का उपयोग उनकी पूरी क्षमता तक करना

इसके बाद आप जरूरत से कम (बी या सी स्कोर वाले) उपयोग में लाए गए संसाधनों का उपयोग सुधारने के तरीके खोजेंगे और सोचेंगे कि आप अपने विद्यालय में इन पहले न पहचाने गए संसाधनों (संभवतः डी स्कोर वाले) तक पहुँच कर और उनका उपयोग करके अपने छात्रों के लिए सीखने के सुधरे हुए नतीजों में योगदान कैसे करेंगे। इन संसाधनों को आपके विद्यालय में अध्यापन और सीखने का नियमित हिस्सा बनाने के लिए कुछ रचनात्मक चिंतन और कुछ संयोजन की जरूरत पड़ सकती है, आंशिक रूप से इसलिए क्योंकि हो सकता है अन्य शिक्षक उन्हें अपने पाठों में शामिल करने के बारे में अभी आश्वस्त न हों।

समान रूप से, इस बात के अच्छे कारण हो सकते हैं कि संसाधनों का वर्तमान रूप में उपयोग क्यों नहीं हो रहा है (उदा. वे पुराने हैं, उन्हें मरम्मत की जरूरत है, वे किसी वैकल्पिक संसाधन की तरह छात्रों की सीखने की सहायता नहीं करते हैं)। इसलिए संसाधन प्रबंधन विद्यालय नेता के लिए एक महत्वपूर्ण दायित्व बन जाता है, हालांकि यदि इसे आपके कार्यक्रम पर हावी होने दिया गया तो यह अभिभूत करने वाला बन सकता है। आपको संसाधन प्रबंधन में अपनी प्रत्यक्ष संलिप्तता को विशिष्ट रूप से उन क्षेत्रों के साथ जोड़ना चाहिए जहाँ आप सीखने की प्रक्रिया में सुधार को संभव कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, आप विज्ञान पाठ्यचर्या के लिए संसाधनों के प्रबंधन को प्रथामिकता दे सकते हैं क्योंकि यह एक क्षेत्र है जिसके बारे में आपको डेटा से पता चला है कि इसमें लड़कियाँ अच्छे ग्रेड नहीं लाती हैं।

संसाधनों को लक्षचित ढंग से प्रबंधित करने का एक तरीका है संसाधन के लक्ष्यों को तय करना जैसा कि वृत्त अध्ययन 1 में वर्णन किया गया है।

वृत्त-अध्ययन 1: श्री कुमार का संसाधन प्रबंधन

श्री कुमार को एक ग्रामीण विद्यालय में नए विद्यालय नेता के रूप में नियुक्त किया गया जिसमें आम तौर पर निर्धन पृष्ठभूमियों से आने वाले अनेक छात्र थे। उन्हें तत्काल पता चल गया कि वह विद्यालय भी निर्धन ही नज़र आता था – उसमें कामों का कोई प्रदर्शन नहीं किया गया था, छात्रों के पास मूल उपकरणों का अभाव था और वहाँ कोई फर्नीचर या अलमारियाँ भी नहीं थीं। लेकिन विद्यालय में एक विशाल अहाता था जिसमें पेड़, झाड़ियाँ और पानी उपलब्ध था। अपने तीन शिक्षकों के साथ, श्री कुमार ने इस पर विचार किया कि वे उपलब्ध संसाधनों का कैसे सर्वोत्तम ढंग से उपयोग कर सकते हैं। उन्होंने इस बारे में बहुत सारी अवधारणाएं पेश कीं कि वे पास के इलाके को कैसे विज्ञान और पर्यावरणीय अध्ययनों के लिए संसाधन के रूप में उपयोग कर सकते थे, लेकिन पाया कि उस इलाके का लगभग पूरा लाभ उठाने के लिए उसे कुछ देखभाल की जरूरत पड़ेगी।

श्री कुमार ने अपने शिक्षकों की मदद से अहाते का एक संसाधन के रूप में प्रबंधन करने के लिए एक योजना बनाई। लक्ष्य यह था कि हर छात्र अपनी पढ़ाई के हिस्से के रूप में सप्ताह में कम से कम एक बार अहाते में सक्रिय रहेगा। इस लक्ष्य का अर्थ था कि शिक्षकों को अपने अध्यापन को उसके अनुसार संयोजित करना होगा।

श्री कुमार की योजना में शामिल था कि बड़े छात्र एक सब्जी की क्यारी बनाएं और फसलों को पानी देने और देखरेख करने के लिए कार्यसूची बनाएं। उन्होंने दो अभिभावकों से मदद ली, जिन्होंने बच्चों द्वारा गणित की एक कक्षा में बनाए गए चित्रों से मुर्गियों के कुछ पिंजरे बनाए। एक शिक्षक अंग्रेजी कक्षा में एक पत्र–लेखन गतिविधि करने को सहमत हुए जिसमें एक स्थानीय व्यवसाय से बागबानी के उपकरण दान में देने का अनुरोध करना था और छात्रों ने पौधे लगाने के लिए बीजों को एकत्र करने और उगाने के लिए एक परियोजना शुरू की। जब एक स्थानीय वनरोपण धर्मार्थ संगठन ने अहाते के किनारों पर स्वेच्छा से कुछ पेड़ लगाए तो श्री कुमार रोमांचित हो गए – नए 'हरित' विद्यालय नेता की खबर फैल गई, और जल्दी ही अभिभावकों का एक समूह मैदान का रखरखाव करने में नियमित रूप से हाथ बँटाने लगा।

गतिविधि 3: प्रभावी संसाधन प्रबंधन पर चिंतन करना

श्री कुमार के वृत्तांत को दोबारा पढ़ें और निम्नलिखित प्रश्नों पर चिंतन करें:

- श्री कुमार ने अहाते को एक सीखने के संसाधन में बदलने का जिस तरह से नेतृत्व किया उसमें क्या बात प्रभावी थी?
- श्री कुमार ने अहाते के सीखने के संसाधन के रूप में उपयोग की निगरानी के लिए प्रक्रिया की स्थापना कैसी की?
- आपके खयाल से श्री कुमार ने छात्रों के सीखने के नतीजों पर प्रभाव की पहचान कैसे की होगी?
- इस वृत्त अध्ययन से आप क्या सीख सकते हैं जिसे आपके अपने सन्दर्भ में संसाधनों का प्रबंधन करने पर लागू किया जा सकता है?

चर्चा

श्री कुमार ने अहाते का एक अध्यापन संसाधन के रूप में प्रबंधन करने के लिए एक योजना बनाकर काम शुरू किया। उसमें विद्यालय को अधिक आकर्षक बनाने का अतिरिक्त लाभ था और छात्रों को गर्व का अनुभव हुआ। उन्हें गतिविधियों और लोगों का प्रबंधन करके अपने लक्ष्य तक पहुँचना था। विद्यालय और उसके विस्तृत समुदाय के लोग महत्वपूर्ण संसाधन होते हैं। वे समय और/या निपुणता की पेशकश करने में सक्षम हो सकते हैं और कुछ लोग धन प्रदान करने में सक्षम हो सकते हैं। उनका समय और विशेषज्ञता, तथापि, उतने ही मूल्यवान हैं, और श्री कुमार उनकी मदद से बहुत कुछ प्राप्त करने में सफल हुए। विद्यालय नेता लोगों को विद्यालय में संसाधनों का योगदान करने के लिए प्रोत्साहित और प्रेरित करता है, और फिर उनके प्रयासों का प्रबंधन सीखने के नतीजों को सुधारने से संबंधित समग्र योजना के अनुसार करता है।

वीडियो: स्थानीय संसाधनों का उपयोग करते हुए

गतिविधि 4: स्टाफ की संलिप्तता के लिए तैयारी करना

आप देखेंगे कि श्री कुमार ने उपलब्ध संसाधनों के बेहतर उपयोग के लिए अपने स्टाफ को तत्काल संलिप्त किया। विद्यालय नेता के रूप में उन्होंने एक वार्तालाप शुरू किया और अपने स्टाफ को समस्या का हल करने में शामिल किया। यदि आपने अपनी सूचियाँ बनाने और संसाधनों के उपयोग को ग्रेड करने के लिए पहले से ही अन्य लोगों को शामिल कर लिया है, तो आपके पास ऐसे सहकर्मी होंगे जो निष्कर्षों का स्वागत करेंगे। लेकिन आपके पास ऐसे सहकर्मी भी हो सकते हैं जो उनके काम करने के तरीकों में बदलाव के किसी भी सुझाव के बारे में संशयी हैं।

आप द्वारा पहचाने गए उन संसाधनों को देखें जिन्हें बी, सी या डी के ग्रेड मिले थे।अपनी सीखने की डायरी में निम्नलिखित प्रश्नों पर विचार करें और अपने खयालों के विषय में नोट्स बनाएं।

- छात्रों के सीखने का समर्थन करने में इन संसाधनों को प्रभावी बनाने के लिए आपको क्या करना होगा?
- आप अपने स्टाफ के साथ यह वार्तालाप कैसे शुरू करेंगे?
- आप उस स्टाफ और सहकर्मियों के अवरोध पर कैसे काबू पाएंगे जो अपने काम करने के तरीकों को बदलना नहीं चाहते?

चर्चा

विद्यालय नेता के रूप में आपको संसाधनों की विस्तृत शृंखला का उपयोग करने के लिए अपने स्टाफ का मार्गदर्शन और उत्साहित करने के लिए उनके साथ संलग्न होना होगा। उन्हें विद्यालय के बाहर के संसाधनों का लाभ उठाने के लिए और अधिक रचनात्मक तरीकों से उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करने के लिए शुरू में कुछ मार्गदर्शन की जरूरत पड़ सकती है। किसी भी कक्षा में सबसे बड़ा संसाधन स्वयं छात्र होते हैं, जो अनुभवों और ज्ञान का खजाना लेकर आते हैं जिनका उपयोग शिक्षक द्वारा अपने समकक्षों की शिक्षा को बढ़ाने के लिए किया जा सकता है।

आप चाहें तो अपने स्टाफ को उदाहरण प्रदान करने के बारे में सोच सकते हैं जो उन्हें अलग ढंग से काम करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं; उदाहरण के लिए, एक जीवविज्ञान का पाठ जिसमें छात्रों को विद्यालय में पत्तियाँ लाना होता है जिन्हें तब श्रेणीबद्ध किया जाता है, या एक अंग्रेजी पाठ जहाँ छात्र खाद्य पदार्थों या उनकी पौष्टिक सामग्रियों की शब्दावली सूची विकसित करने के लिए पैकेजिंग का एक टुकड़ा लाते हैं। आप चाहें तो यह भी सोच सकते हैं कि आपके शिक्षक कैसे एक दूसरे से या अन्य विद्यालयों के शिक्षकों से सीख सकते हैं – लोग जब अपने सहकर्मियों को नई अवधारणाओं के साथ सफल होते देखते हैं तो उनके प्रति कम अवरोध करते हैं।

जब आप अपनी टीम को अपने विद्यालय में संसाधनों के उपयोग को सुधारने के बारे में चर्चाओं में संलिप्त करेंगे तब आपको संसाधन 1 में दी गई तालिका उपयोगी लग सकती है। संसाधन 2 चर्चाओं के हिस्से के रूप में साझा करने के लिए एक मददगार पर्चे का काम कर सकता है।

गतिविधि 5: संसाधन प्रबंधन पर अपने स्टाफ के साथ एक सत्र की योजना बनाना

यह समझना कि विद्यालय में कौन से संसाधन उपलब्ध हैं (विशेष रूप से कोई बड़ा संसाधन) और क्या मौजूदा संसाधनों को पूरी तरह से उपयोग में लाया जा रहा है सारे स्टाफ को संलिप्त करेगा। विद्यालय नेता के रूप में आपको कम काम में लिए जा रहे और बिल्कुल भी काम में नहीं लिए जा रहे संसाधनों के मुद्दों को संबोधित करने के औचित्य और सीखने के नतीजों पर इसके संभावित प्रभाव को समझाने की जरूरत पड़ेगी। आपको यह भी स्पष्ट करना होगा कि इन श्रेणियों में आने वाले मानव संसाधनों (या लोगों) की पहचान करने में आपको स्टाफ की मदद की जरूरत पड़ेगी। इस प्रक्रिया के लिए आपका प्रारंभ बिंदु है स्टाफ को इन मुद्दों के बारे में सोचने में भाग लेने के लिए आमंत्रित करना।

अपनी सीखने की डायरी में कुछ नोट्स बनाएं कि आप सत्र का संचालन कैसे करेंगे। इसके बाद, यह मूल्यांकन करना सुनिश्चित करें कि वह कैसे संचालित हुआ और इस बारे में नोट्स बनाएं कि आप अगली बार उसे भिन्न तरीके से कैसे करेंगे। नीचे उठाए गए मुद्दे इस बात का आधार बन सकते हैं कि बैठक किस तरह से प्रगति कर सकती है।

- कम उपयोग किए गए और न उपयोग किए गए संसाधनों को संबोधित करने के लिए अपना औचित्य प्रस्तुत करें, और सुनिश्चित करें कि वह छात्रों की शिक्षा को सुधारने से संबंधित हो। अब तक आपने जो लेखा परीक्षा की है और उससे आपने जो सीखा है उस पर चर्चा करें।
- संसाधनों के विस्तृत दृष्टिकोण और शैक्षणिक संसाधन क्या हो सकता है इस बात का परिचय दें। इन्हें समझने में मदद करने के लिए, आप चाहें तो विभिन्न श्रेणियों को समझा सकते हैं और स्टाफ को यह सोचने में संलिप्त कर सकते हैं कि आपके विद्यालय में प्रत्येक श्रेणी के लिए कौन से संसाधन उपलब्ध हैं।
- चर्चा करें कि, एक विद्यालय समुदाय के रूप में, अन्य विषयों या पाठ्यचर्या क्षेत्रों में कम उपयोग किए गए या न उपयोग किए गए संसाधनों की पहचान करने के लिए आप मिलकर कैसे काम कर सकते हैं।

- चर्चा करें कि, एक समूह के रूप में, आप कैसे सबसे अच्छे तरीके से सुनिश्चित कर सकते हैं कि हर व्यक्ति के कौशलों और ज्ञान का छात्रों की शिक्षा के समर्थन में पूरी तरह से उपयोग किया जा रहा है (इसमें मातापिता, छात्र और समुदाय के अन्य लोग तथा शिक्षक भी शामिल हैं)।
- किसी निश्चित तारीख को समीक्षा से पहले संसाधनों के उपयोग या उठाए जाने वाले कदमों के लिए कुछ लक्ष्य निर्धारित करें – इन्हें छात्रों के सीखने के नतीजों से संबंधित करना याद रखें।
- उपलब्ध संसाधनों के बेहतर उपयोग के लिए एक योजना पर आपके साथ काम करने के लिए स्वयंसेवियों की तलाश करें। इन संसाधनों के लिए उपयोगिता योजना पर काम करने के लिए उनके साथ एक अनुवर्ती बैठक तय करें।

चर्चा

इस तरह के नियोजन सत्रों का परिणाम अपरिहार्य रूप से बेहतर होता है। छात्रों की तरह ही, शिक्षा प्रदान करने और जानकारी देने, तथा आपके स्टाफ द्वारा सक्रिय संलिप्तता के बीच सही संतुलन होना आवश्यक है। जब आप नए दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं और जब आप परिपाटी में परिवर्तन करना चाहते हैं तब आपको सक्रिय शिक्षण प्रक्रिया का प्रतिरूपण करना चाहिए। जब लोग समझते हैं कि किस बात ने किसी चीज की ओर ध्यान आकर्षित किया है और परिवर्तन करने के लिए समर्थित महसूस करते हैं, तब उनके द्वारा इसे किसी खतरे की बजाय एक अवसर के रूप में देखने की अधिक संभावना होती है। ऐसी स्थिति में आप अपने स्टाफ को अनेक प्रकार के संसाधनों का उपयोग करके उनके पाठों में अधिक विविधता, ऊर्जा और जीवंतता लाने के लिए आमंत्रित कर रहे हैं: उन्हें यह बात रोमांचपूर्ण लग सकती है!

आपको अपने स्टाफ को देने के लिए संसाधन 2 एक उपयोगी पर्चा साबित हो सकता है।

संसाधनों के विस्तृत दृष्टिकोण के लाभों को साझा करने का एक तरीका वृत्त अध्ययन 2 जैसे वृत्त अध्ययनों के माध्यम से है, जो एक विद्यालय नेता के साथ इस बारे में साक्षात्कार है कि उन्होंने अपने विद्यालय में फील्ड के दौरों को एक सीखने के संसाधन के रूप में कैसे शुरू किया। वे दौरे के परिणामस्वरूप मिले सीखने के शानदार अवसरों को स्पष्ट करती हैं, और साथ की इन दौरों के नियोजन और आयोजन के साथ हुई कार्यभार में वृद्धि को भी स्वीकार करती हैं। परिवहन या शुल्क अदा करने के वित्तीय निहितार्थ भी इसमें शामिल हैं, जिन्हे किसी भी योजना को बनाते समय ध्यान में रखना चाहिए।

चित्र 2 आपके विद्यालय के संसाधनों के प्रबंधन से आपके छात्रों की शिक्षा में सुधार होगा।

वृत्त-अध्ययन 2: फील्ड के दौरे शुरू करने के बारे में एक विद्यालय नेता के साथ साक्षात्कार

साक्षात्कारकर्ता आपने अपनी प्रत्येक कक्षा के लिए प्रति सत्र दो फील्ड के दौरे आयोजित किए हैं। यह आपके विद्यालय के जीवन का यह इतना महत्वपूर्ण पहलू क्यों रहा है?

विद्यालय नेता मैंने पाया कि छात्र किताबी ढंग से अवधारणाओं को सीख रहे थे, लेकिन उन्हें वास्तविक जीवन से संबंधित नहीं कर पा रहे थे। इसलिए हालांकि छात्रों ने पढ़ा था कि पत्र संचार के साधन होते हैं, उन्होंने कभी कोई पत्र नहीं लिखा था – न ही वे कभी किसी डाकघर में गए थे, जो कि विद्यालय से कुछ ही दूरी पर स्थित है। बड़ी कक्षाएं रोगाणुओं और दूषण के बारे में पढ़ रही थीं, लेकिन उनमें से कई को पता तक नहीं था कि डॉक्टर रक्त के नमूनों को परीक्षण के लिए पड़ोस के कस्बे में स्थित पैथोलॉजी प्रयोगशाला को भेजते हैं। मुझे लगा कि उन्हें ये सब चीजें जाननी चाहिए और मैंने शिक्षकों से बात की।

साक्षात्कारकर्ता और क्या वे सहमत हुए?

विद्यालय नेता	उन्होंने मुझसे पूछा कि कि हम कैसे इतने सारे छात्रों को ले जा सकते हैं और क्या प्रयोगशाला इस दौरे के लिए सहमत हो जाएगी। इसलिए मैंने सभी शिक्षकों से प्रत्येक कक्षा के लिए कुछ दौरों की योजना बनाने को कहा और फिर हम मातापिताओं से मिले और उन्हें बताया कि हम क्या करना चाहते हैं।
साक्षात्कारकर्ता	मातापिता क्यों?
विद्यालय नेता	हमारे पास ऐसा करने के लिए संसाधन नहीं थे, इसलिए मातापिताओं का इसमें योगदान करना जरूरी था। उनमें से एक बस सेवा का संचालन करते हैं और वे हमारे लिए लागत पर बस चलाने को राजी हो गए। अन्य मातापिता दौरे के लिए कुछ पैसे देने के लिए सहमत थे।
साक्षात्कारकर्ता	तो दौरों का प्रबंधन करना काफी आसान रहा?
विद्यालय नेता	वास्तव में, अधिकांश चीजें आपके निर्णय लेने के बाद आसान हो जाती हैं, लेकिन हमने बहुत सारी योजना बनाई। शिक्षक कई जगहों पर अनुमति लेने और यह स्पष्ट करने के लिए गए कि हम क्या करना चाहते थे और उसका क्या कारण था। हमें सोचना था कि हम छात्रों को दौरों के बारे में कैसे बताएंगे, हम कैसे प्रश्नों को एकत्र करेंगे और उनके द्वारा लाई गई जानकारी का क्या करेंगे।
साक्षात्कारकर्ता	मैंने देखा कि कक्षा 7 के छात्रों की पुस्तक में इमारतों के बारे में कुछ रेखाचित्र थे।
विद्यालय नेता	कक्षा 7 हाल ही में हमसे तीन सड़क दूर एक निर्माणाधीन इमारत की साइट पर गई थी और इस विषय में ढेर सारी जानकारी के साथ लौटी थी कि नींव डालने के लिए खुदाई कैसे की जाती है। इसलिए हमने खुदाई करने वाले आदमी को बुलाया और वह अपने साथ वास्तुविद को लेकर आया और उन्होंने छात्रों को बताया कि उन्होंने किस–किस प्रकार की खुदाई की थी, किस प्रकार की इमारतें उन्होंने बनाई थीं और किस मिट्टी पर भवन बनाना आसान होता है और किस पर ऐसा करना कठिन होता है। छात्रों ने उनके साथ बड़े शहरों की ऊँची इमारतों और वे जिन झोपड़ियों में रहते हैं उनके बीच अंतर के बारे में बात की। वास्तुविद काफी प्रभावित हुए। अगले दिन शिक्षक उनके घर से एक कैलेंडर लेकर आई जिस पर अलग अलग प्रकार की इमारतों के चित्र थे और छात्रों ने उस प्रकार की इमारत के चित्र बनाए जिसमें वे रहना चाहते थे। यह गुरुत्वाकर्षण, बल, भार, पिंड आदि के बारे में सीखने का अच्छा तरीका है।

गतिविधि 6: लोगों पर संसाधन के रूप में चिंतन करना

वृत्त अध्ययन 2 उन विविध प्रकार के तरीकों की पहचान करता है जिनसे लोगों का उपयोग संसाधन के रूप में किया जा सकता है। निम्न बातों को मार्गदर्शन के लिए उपयोग करते हुए, इस पर विचार करने में थोड़ा समय व्यतीत करें:

- कक्षा 7 के छात्रों, और इमारतों के बारे में वे जो कुछ सीख रहे हैं, इसके बारे में सोचें। उन सब लोगों की एक सूची बनाएं जो उनके सीखने के अनुभव को जीवंत बनाने में शामिल थे और उन्होंने इसमें क्या योगदान दिया था।
- उन लोगों (स्टाफ, अभिभावक, स्थानीय समुदाय के लोग) के बारे में सोचें जिन्हें सीखने के महत्वपूर्ण संसाधन के रूप में उपयोग किया जा सकता है, लेकिन वर्तमान में नहीं किया जाता है। आपको पढ़ाया जाने वाले किसी खास विषय के बारे में सोचना आसान लग सकता है और तब आप सोच सकते हैं कि कौन मदद कर सकता है।
- इन लोगों का उपयोग सीखने में सहायता करने के आपके रास्ते में क्या बाधाएं आ सकती है और आप उन बाधाओं को कैसे काबू में करेंगे?

चर्चा

वृत्त अध्ययन 2 के बारे में सोचने और उपरोक्त प्रश्नों का उत्तर देने में, आपको पता चला होगा कि आपके स्टाफ और अन्य लोगों के पास संसाधनों का खजाना है जिसका आपने उपयोग नहीं किया है। वृत्त अध्ययन की तरह, यह अभिभावकों या स्थानीय समुदाय के सदस्यों के रूप में हो सकता है जो समय, पैसे या विशेषज्ञता का योगदान कर सकते हैं। किसी भी पहल की तरह, सहयोगात्मक गतिविधियाँ शुरू करने में समय लग सकता है, और रास्ते में कठिनाइयाँ आ सकती हैं; यह बात पता चलते ही कि आपको अवसरों की तलाश है आप जल्दी ही देखेंगे कि लोग मदद करने की पेशकश करेंगे, और आप पाएंगे कि आप ऐसे नियमित कार्यक्रम संचालित कर सकते हैं जिनके लिए कम संयोजन की जरूरत पड़ती है।

समान रूप से, आप उन स्टाफ के सदस्यों के बारे में सोचना शुरू कर देंगे जिनके पास उनके विषय से परे कई प्रकार के कौशल और ज्ञान है, जिनके अन्य संगठनों के साथ संबंध हैं, और ऐसे शौक, अनुभव या वस्तुगत संसाधन हैं जिनका उपयोग किया जा सकता है। एक तरीका है स्टाफ को उन विषयों के प्रति जागरूक करना जिन्हें अतिरिक्त संसाधनों से लाभ मिल सकता है, और उनसे पूछना कि क्या उनके पास पेश करने योग्य कोई सुझाव या चीज है। यह चर्चा

स्टाफ की बैठकों की एक नियमित विशेषता बन सकती है। आपको लग सकता है कि इस खंड के वृत्त अध्ययन और गतिविधियाँ आपके स्टाफ को संलिप्त करने के लिए उपयोगी अभ्यास प्रदान करती हैं ताकि वे उन संसाधनों के बारे में सोचें जो वे कक्षा की चारदीवारी के बाहर से ला सकते हैं।

4 संसाधनों के उपयोग के लिए योजना बनाना

अपनी लेखा परीक्षा कर लेने के बाद, आपको अधिक व्यवस्थित ढंग से संसाधनों का उपयोग करने के लिए योजना बनानी चाहिए, ताकि आपके विद्यालय में शिक्षकों और छात्रों द्वारा संसाधनों के परिष्कृत उपयोग के माध्यम से अधिक सीखने का अच्छा मौका निर्मित हो। योजना को संसाधन की हर श्रेणी या हर वर्ष के समूह से नहीं निपटना है: यह किसी विशिष्ट पहल, जैसे वृत्त अध्ययन 2 में उल्लिखित फील्ड के दौरों के शुरू करने के बारे में, या पाठ्यचर्या या छात्रों के सीखने के किसी खास पहलू को संबोधित करने के बारे में हो सकता है। इसे समय के साथ–साथ क्रमबद्ध ढंग से किया जा सकता है, या आपके स्टाफ की टीम में प्रत्यायोजित किया जा सकता है। वृत्त अध्ययन 2 ने दर्शाया कि एक विद्यालय नेता ने कैसे अपनी योजना को कार्यान्वयित किया। अब आप आपके अपने विद्यालय के परिवेश के लिए योजना बनाना शुरू कर सकते हैं।

गतिविधि 7: अपने अंतिम लक्ष्य की कल्पना करना

अच्छा नियोजन सबसे पहले आपके अंतिम लक्ष्य को देखता है। कल्पना करें कि आपका विद्यालय कैसा दिखाई देगा यदि आप, आपके छात्र और आपका स्टाफ आपकी सूचियों के अधिकांश उपलब्ध लेकिन अप्रयुक्त संसाधनों का उपयोग अपनी पढ़ाई की परिकल्पना और रचना करने के लिए करते हैं। अपनी सीखने की डायरी में इस परिदृश्य का वर्णन करें।

आप, उदाहरण के लिए, ऐसे परिदृश्यों की परिकल्पना करें जैसे 'छात्र अपने दादा–दादियों से कहानियाँ लाते हैं और उन्हें एक कक्षा पुस्तक में वकिसित करते हैं जिसके परिणामस्वरूप उनकी भाषा का उपयोग और उनकी विरासत का विस्तार होता है', या 'छात्र टिन के डिब्बों से वाद्ययंत्र बनाते हैं जिससे इस बात की समझ मिलती है कि अलग अलग आवाजें कैसे उत्पन्न की जा सकती हैं'। सुनिश्चित करें कि आपके उदाहरण **वास्तविक संसाधनों की बजाय छात्रों के लिए सीखने के नतीजों पर ध्यान केंद्रित करें।** आप इस परिदृश्य को उन लोगों के साथ साझा कर सकते हैं जिन्होंने नियोजन गतिविधि में स्वेच्छा से आपकी मदद की थी।

चर्चा

यह एक बहुत ही व्यक्तिगत परिदृश्य होगा। आप चाहें तो संपूर्ण विद्यालय पर या विशिष्ट विवरणों पर ध्यान दे सकते हैं। हो सकता है आपने अपने विद्यालय में एक 'त्वरित विजय' की पहचान की है जहाँ आप शैक्षणिक संसाधनों के प्रति एक नए दृष्टिकोण को प्रस्तुत कर सकते हैं – वृत्त अध्ययन के विद्यालय नेता की तरह जिन्होंने प्रत्येक कक्षा के सीखने के अनुभव के रूप में फील्ड के दौरों की शुरुआत की।

पीछे की ओर नियोजन अंतिम लक्ष्य पर आधारित योजना बनाने का एक तरीका है (एलमोर, 1979)। जब आप किसी लक्ष्य से पीछे की ओर काम करते हैं, तब उस प्रत्येक हितधारक के कौशलों, रवैयों और प्रेरणाओं के बारे में सोचें जो योजना का भाग होगा। निम्नलिखित नोट्स पर विचार करें जो विद्यालय नेता ने विद्यालय में एक अतिथि कार्यक्रम शुरू करने की योजना बनाने के पहले बनाए थे।

> लक्ष्य: अतिथियों के एक कार्यक्रम की स्थापना करना जिसमें प्रत्येक कक्षा (9, 10, 11 और 12) के लिए कम से कम छह अतिथियों को विद्यालय में अपने पेशे के बारे में बोलने और उसे पाठ्यक्रम की विषयवस्तु से जोड़ने के लिए आमंत्रित किया जाता है।
>
> हितधारक:
>
> 1. शिक्षक
> 2. छात्र
> 3. मातापिता या अभिभावक
> 4. ऑफिस का स्टाफ
> 5. सहायक स्टाफ

शिक्षक की भूमिका है:

- पाठ्यक्रम से संबंधित पेशों की पहचान करना
- अतिथि के साथ चर्चा करना कि पाठ्यक्रम में क्या शामिल है और अतिथि छात्रों के साथ क्या चर्चा कर सकता है
- छात्रों को यह सोचने के लिए तैयार करना कि वे किस बारे में अधिक जानना चाहेंगे
- छात्रों को अतिथि को उपयुक्त ढंग से धन्यवाद देने के कौशलों के साथ तैयार करना
- छात्रों को मुलाकात से सीखी गई बातों को लागू करने का अवसर देना।

छात्र की भूमिका है:

- उन्हें ज्ञात लोगों में से विद्यालय का दौरा करने के लिए उपयुक्त लोगों की पहचान करने में मदद करना
- यह पहचानना कि वे पहले से क्या जानते हैं और अतिथि से वे किस बारे में और जानना चाहेंगे
- अतिथि की उपयुक्त ढंग से आवभगत करना
- अतिथि से सीखी गई जानकारी को लागू करना और दौरे के बाद समकक्षों और अपने शिक्षक के साथ उस पर चर्चा करना।

सभी स्टाफ और संबंधित हितधारकों के साथ संसाधनों के उपयोग का एक समग्र–विद्यालय दृष्टिकोण अपनाना महत्वपूर्ण होता है, न केवल संसाधनों के उपयोग में बल्कि संसाधनों के रखरखाव और देखभाल में भी। उपरोक्त परिदृश्य में, जिसमें अतिथि विद्यालय आते हैं, यह महत्वपूर्ण है, उदाहरण के लिए, कि सारे स्टाफ (केवल शिक्षकों को ही नहीं) को पता हो कि अतिथि वहाँ क्यों आया है, कि उनका उपयुक्त तरीके से अभिवादन किया जाय और उन्हें विद्यालय के बारे में अच्छी धारणा का अनुभव हो। अतिथि एक मूल्यवान संसाधन है और उनका भौतिक संसाधन के जितना ही ध्यान रखना चाहिए। वृत्त अध्ययन 3 एक और संसाधन, किताबें लेता है और विचार करता है कि विद्यालय कैसे उसके उपयोग और पहुँच को अधिकतम करने का प्रबंधन करता है।

वृत्त-अध्ययन 3: किताबों के दान का अधिकतम लाभ उठाना

विद्यालय को करीब 100 किताबें दान में मिली थीं। किताबें एक महीने तक पैकिंग के डिब्बों में पड़ी रहीं। विद्यालय लीडर ने इस संसाधन का उपयोग करने के बारे में अपनी अवधारणा को साझा करने के लिए स्टाफ की एक विशेष बैठक बुलाई। उनके लिए यह शर्म की बात थी कि किताबें उपलब्ध थीं लेकिन पढ़ी नहीं जा रही थीं। उन्होंने सुझाव दिया कि प्रत्येक कक्षा को 25 किताबें वितरित की जाएंगी ताकि प्रत्येक छात्र वर्ष भर में हर माह एक अलग किताब पढ़ने में समर्थ हो सकेगा।

शिक्षक सहमत थे कि यह एक अच्छी अवधारणा थी, लेकिन उसे अपनाने को तैयार नहीं लग रहे थे। विद्यालय नेता ने अपने स्टाफ की झिझक की व्याख्या यह समझ कर की कि उन्हें पढ़ने के फायदे नहीं नज़र आ रहे थे और वे चिंतित थे कि किताबों के खो जाने पर उन्हें जिम्मेदार ठहराया जाएगा। उन्होंने फिर छात्रों को सभा में संबोधित किया और सुझाव दिया कि वे उनकी अवधारणा को लागू करने के लिए कोई तरीका खोजें।

अगले सप्ताह, विद्यालय नेता ने एक सूचना लगाई कि समाधान पेश करने वाले किसी भी छात्र को उसकी पसंद की कोई भी किताब दी जाएगी। लगता था इस बात का असर हुआ था! लड़कियों का एक समूह उनके पास एक योजना लेकर आया। उन्होंने उनके साथ योजना पर काम किया, और फिर उसे अपने स्टाफ के

साथ साझा किया। स्टाफ के दो सदस्य लड़कियों की सहायता करने के लिए आगे आए। उन्होंने स्थानीय प्रिंटर से बात की और जल्दी ही कुछ चिपकाने वाले लेबल विद्यालय के ऑफिस को भेजे गए। लड़कियों ने स्टाफ के सदस्यों के साथ मिलकर काम किया और चार नोटबुकों में किताबों की सूची बनाई गई।

विद्यालय नेता ने फिर सभा में प्रणाली की घोषणा की और समाधान के लिए अपने छात्रों की प्रशंसा की; उन्होंने उनकी पसंद की किताबें उन्हें पुरस्कार के रूप में भी दीं। उन्होंने कहा कि उन्होंने इसे सचमुच बहुत आसान बना दिया था – पढ़ने के इच्छुक पहले 24 छात्रों को सबसे पहले किताबें मिलेंगी। एक महीने बाद, उन्हें किताबें लौटानी होंगी और साथ में एक संक्षिप्त विवरण देना होगा कि उन्हें किताब में क्या पसंद आया, लेकिन कहानी नहीं बतानी होगी। हर महीने, छात्रों को अपनी पढ़ी हुई किताब के बारे में अन्य छात्रों को बताने के लिए कुछ समय आबंटित किया जाएगा। फिर शिक्षक अगले 24 छात्रों को किताबें 'जारी' करेंगे, जिनमें से प्रत्येक नोटबुकों में संबंधित पृष्ठ पर तारीख और अपना नाम लिखेगा।

एक छात्र ने झिझकते हुए अपना हाथ ऊँचा किया और पूछा कि किताब को खो देने या लौटा न पाने के क्या परिणाम होंगे। विद्यालय नेता ने बताया कि उन्होंने इसके बारे में स्टाफ के समूह के साथ चर्चा की थी और एक बड़े विद्यालय के लाइब्रेरियन से बात की है। उन्होंने पता किया था कि अधिकांश पुस्तकालयों में इसका समाधान था छात्र द्वारा खोई हुई किताब के बदले नई किताब लाना, यदि वह फट गई हो तो उसकी मरम्मत के लिए भुगतान करना, और देरी से लौटाने पर जुर्माना अदा करना। छात्र सहमत थे कि इसे स्वीकार किया जा सकता है और प्रणाली को शुरू कर दिया गया।

दो वर्षों के समय में, मुख्याध्यापक और भी अधिक किताबें दान में प्राप्त करने में सफल हुए हैं। पढ़ना एक आम प्रथा बन गया है; और कक्षा के पुस्तकालयों को कक्षाओं के बीच हर छह महीने अदल–बदल किया जाता है।

गतिविधि 8: संसाधन प्रणालियों को विकसित करने पर चिंतन करना

यह वृत्त अध्ययन एक प्रणाली का प्रदर्शन करता है जिसे इसलिए स्थापित किया गया क्योंकि सभी छात्रों द्वारा अपनी पढ़ाई का समर्थन करने के लिए सुनिश्चित करना था कि एक संसाधन का प्रभावी ढंग से उपयोग किया जाय। निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर देकर यह सोचने में कुछ समय बिताएं कि आप इस वृत्त अध्ययन से क्या सीख सकते हैं:

- विद्यालय नेता के नेतृत्व के किन पहलुओं ने प्रणाली को सफलतापूर्वक लागू करना संभव बनाया?
- यदि इस परिदृश्य में आप विद्यालय नेता होते, छात्रों को इस संसाधन का महत्व समझाने और इसलिए उसका उपयोग करने के लिए प्रणाली लागू करने के लिए तैयार करने के लिए आपने किन तर्कों का उपयोग किया होता?
- आपके अपने सन्दर्भ में कौन से संसाधन हैं जिन्हें यह सुनिश्चित करने के लिए कि उनका पढ़ाई के लिए प्रभावी ढंग से वितरण और उपयोग किया जाय, एक प्रणाली की जरूरत है? क्या प्रणाली आजकल काम कर रही है? आप प्रणाली में क्या सुधार कर सकते हैं?

चर्चा

वृत्त अध्ययन 3 की किताबें इस विद्यालय में बहुत कम प्रयुक्त संसाधन थीं और उसे अधिक विस्तृत उपयोग के लिए गतिशील बनाने के लिए किसी के द्वारा पहल करने की जरूरत थी। यह संसाधन प्रबंधन के इर्दगिर्द सहायोगात्मक नियोजन का एक बहुत अच्छा उदाहरण है। क्या आपने देखा कि समस्या का समाधान करने के लिए छात्रों को भी कैसे शामिल किया गया? आपके स्टाफ और छात्रों को (केवल समस्याओं की पहचान करने की बजाय) अपने साथ समाधान प्रदाताओं में बदलना एक कौशल है। कुछ रचनात्मक चिंतन और संयोजन से, आप और आपका स्टाफ आपके छात्रों के लिए शैक्षणिक नतीजे सुधारने के लिए अधिक संसाधनों तक पहुँच प्राप्त करना शुरू कर देंगे।

परिदृश्य के विद्यालय नेता ने एक पुस्तकालय प्रणाली स्थापित की जिससे दान देने वाले विद्यालय को और अधिक किताबें देने के लिए प्रोत्साहित हुए, क्योंकि यह प्रतीत हो रहा था कि संसाधनों का अच्छा उपयोग हो रहा है और छात्रों को उसका लाभ मिल रहा है। यह महत्वपूर्ण है कि छात्रों द्वारा किताबों पर चर्चा करने के लिए हर महीने समय आबंटित किया जाय, क्योंकि इसे पाठ्यचर्या का हिस्सा बनाकर, और छात्रों द्वारा चर्चा के माध्यम से अपने अनुभवों को साझा करने से, किताबें पढ़ाई में उससे अधिक उल्लेखनीय रूप से योगदान कर सकती थीं जो उनके केवल किराए पर दिए जाने से संभव होता।

5 ऐसे संसाधन जिनके लिए पैसे की जरूरत पड़ती है

इस इकाई में आपने मुख्यतः उन संसाधनों पर विचार किया है जो या तो विद्यालय में पहले से हैं या आसपास के क्षेत्र या समुदाय में मुक्त रूप से उपलब्ध हैं। तथापि, ऐसे समय हो सकते हैं जब परिवहन, फीस, उपकरणों, सामान या औजारों के लिए धन की जरूरत पड़ती है। यह जरूरत नई चीजों के लिए या चालू संसाधनों के रखरखाव के लिए हो सकती है।

यह ऐसे विद्यालयों के विद्यालय नेताओं के लिए एक चुनौती होती है जहाँ समुदाय निर्धन होता है। जहाँ धनाढ्य अभिभावक, दान देने वाले या संरक्षक होते हैं, वहाँ संसाधनों के लिए पैसे माँगने के विकल्प होते हैं; तथापि, कुछ विद्यालय नेताओं और समितियों, जैसे एसएमसी, को न केवल धन की माँग करने में बल्कि धन के इष्टतम उपयोग के लिए भी निरंतर प्रयास करना होगा।

विशिष्ट परियोजनाओं (उदा. पुस्तकालय, बागबानी के औजार, ब्लैकबोर्ड का पेंट) के लिए धन अधिक आसानी से मिल जाता है और उसके अधिक नियमित आधार पर दिए जाने की अधिक संभावना तब होती है जब संसाधन को छात्रों की शिक्षा का समर्थन करने में प्रभावी पाया जाता है और अच्छी तरह से उपयोग में लाया जाता है। विद्यालय नेता को विद्यालय के संसाधनों में निवेश करने के लिए मनाने वाले तर्क पेश करने में समर्थ होना चाहिए और फिर आगे और निवेश प्रेरित करने के लिए उनके उपयोग के बारे में मूल्यांकन रिपोर्टों के साथ अनुवर्तन भी करना चाहिए। अपने संसाधन लक्ष्य और योजना को किसी संभाव्य प्रदाता के साथ साझा करके उन्हें निवेश करने के लिए प्रोत्साहित करना उपयोगी हो सकता है। आप एक बजट भी प्रस्तुत कर सकते हैं। हो सकता है यदि कोई अकेला निवेशक न हो तो, अधिक बड़े संसाधन लक्ष्य के लिए योगदान करने के लिए कई व्यक्ति तैयार हो जायं; उदाहरण के लिए, हर व्यक्ति एक बागबानी का औजार या खेती की परियोजना के लिए कुछ बीज दान में दे सकता है।

जहाँ अभिभावकों से संसाधनों के लिए योगदान करने को कहा जाता है, इसे उनके आय स्तरों से अनुपात में होना चाहिए और उनके अन्य वित्तीय खर्चों को ध्यान में रखते हुए होना चाहिए। यदि संसाधन अभिभावकों के योगदान पर निर्भर हो (उदा. विद्यालय के फील्ड के दौरे) तो इसमें कुछ छात्रों को छोड़ देने की संभावना हो सकती है, और इसलिए यदि छात्रों को सीखने के समान अवसर प्रदान करने हों तो वित्तीय सहायता के विकल्पों या भुगतान योजनाओं पर विचार करना चाहिए।

6 सारांश

विद्यालयों में उपलब्ध संसाधनों के स्तर और प्रकार में काफी विविधता होती है, लेकिन एक विद्यालय नेता के रूप में आप न केवल अपने सीमित संसाधनों का बेहतर प्रबंधन करने के लिए कदम उठा सकते हैं, बल्कि उपलब्ध संसाधनों को सीखने के औजारों में भी बदल सकते हैं। वर्तमान और संभावित संसाधनों की लेखा–परीक्षा शुरू करने का अच्छा स्थान हो सकता है लेकिन आपको सजग रहना होगा कि आपके द्वारा पहचाने गए संसाधन आपके सभी छात्रों के लिए किस सीमा तक समान रूप से सुलभ हैं। संसाधनों का उपयोग छात्रों के लिए सीखने के नतीजों से प्रत्यक्ष रूप से जुड़ा होता है। आपने यह विचार करना शुरू किया है कि अपने स्टाफ, छात्रों और अन्य हितधारकों को कैसे प्रेरित करेंगे। आप इस इकाई में आपके द्वारा अपने विद्यालय के लिए रचे गए लक्ष्यों पर उनके साथ सहयोगात्मक ढंग से काम कर सकते हैं। इसलिए, इन अवधारणाओं और साधनों से लैस होकर, अब आप अपने विद्यालय को एक संसाधन–समृद्ध सीखने के पर्यावरण में ले जा सकते हैं जो आपके विद्यालय की परिस्थितियों और सच्चाइयों का सर्वोत्तम उपयोग करता है।

यह इकाई इकाइयों के उस समुच्चय या परिवार का हिस्सा है जो पढ़ाने-सीखने की प्रक्रिया को रूपांतरित करने के महत्वपूर्ण क्षेत्र से संबंधित है (नेशनल कॉलेज ऑफ विद्यालय नेताशिप के साथ संरेखित)। आप अपने ज्ञान और कौशलों को विकसित करने के लिए इस समुच्चय में आगे आने वाली अन्य इकाइयों पर नज़र डालकर लाभान्वित हो सकते हैं:

- *प्राथमिक विद्यालय में पढ़ाने और सीखने में सुधारों का नेतृत्व करना*
- *माध्यमिक विद्यालय में पढ़ाने और सीखने में सुधारों का नेतृत्व करना*
- *अपने विद्यालय में आकलन का नेतृत्व करना*
- *कार्य-प्रदर्शन बढ़ाने में शिक्षकों की सहायता करना*
- *शिक्षकों के पेशेवर विकास का नेतृत्व करना*
- *परामर्श देना और प्रशिक्षित करना*
- *अपने विद्यालय में सीखने की प्रभावी संस्कृति का विकास करना*
- *अपने विद्यालय में समावेश को प्रोत्साहित करना*
- *अपने विद्यालय में प्रौद्योगिकी के उपयोग का नेतृत्व करना*।

संसाधन

संसाधन 1: अपने उपलब्ध संसाधनों की लेखा–परीक्षा करना

***तालिका R1.1** अपने उपलब्ध संसाधनों की लेखा– परीक्षा करना – टेम्प्लेट (देखें गतिविधि 1)।*

संसाधन	विद्यालय की इमारतों और मैदानों में उपलब्ध	विद्यालय की परिमिति से परे उपलब्ध

संसाधन 2: स्थानीय संसाधनों का उपयोग करते हुए

अध्यापन के लिए केवल पाठ्यपुस्तकों का ही नहीं – बल्कि अनेक शिक्षण संसाधनों का उपयोग किया जा सकता है। यदि आप विभिन्न ज्ञानेंद्रियों (दृष्टि, श्रवण, स्पर्श, गंध, स्वाद) का उपयोग करने वाले तरीकों की पेशकश करते हैं, तो आप छात्रों के सीखने के विभिन्न तरीकों को आकर्षित करेंगे। आपके इर्दगिर्द ऐसे संसाधन उपलब्ध हैं जिनका उपयोग आप कक्षा में कर सकते हैं, और जिनसे आपके छात्रों की शिक्षण-प्रक्रिया को समर्थन मिल सकता है। कोई भी स्कूल शून्य या जरा सी लागत से अपने स्वयं के शिक्षण संसाधनों को उत्पन्न कर सकता है। इन सामग्रियों को स्थानीय ढंग से प्राप्त करके, पाठ्यक्रम और आपके छात्रों के जीवन के बीच संबंध बनाए जाते हैं।

आपको अपने नजदीकी पर्यावरण में ऐसे लोग मिलेंगे जो विविध प्रकार के विषयों में पारंगत हैं; आपको कई प्रकार के प्राकृतिक संसाधन भी मिलेंगे। इससे आपको स्थानीय समुदाय के साथ संबंध जोड़ने, उसके महत्व को प्रदर्शित करने, छात्रों को उनके पर्यावरण की प्रचुरता और विविधता को देखने के लिए प्रोत्साहित करने, और संभवतः सबसे महत्वपूर्ण रूप से, छात्रों के शिक्षण में समग्र दृष्टिकोण – यानी, स्कूल के भीतर और बाहर शिक्षा को अपनाने की ओर काम करने में सहायता मिल सकती है।

अपनी कक्षा का अधिकाधिक लाभ उठाना

लोग अपने घरों को यथासंभव आकर्षक बनाने के लिए कठिन मेहनत करते हैं। उस पर्यावरण के बारे में सोचना भी महत्वपूर्ण है जहाँ आप अपने छात्रों को शिक्षित करने की अपेक्षा करते हैं। आपकी कक्षा और स्कूल को पढ़ाई की एक आकर्षक जगह बनाने के लिए आप जो कुछ भी कर सकते हैं उसका आपके छात्रों पर सकारात्मक प्रभाव होगा। अपनी कक्षा को रोचक और आकर्षक बनाने के लिए आप बहुत कुछ कर सकते हैं – उदाहरण के लिए, आप:

- पुरानी पत्रिकाओं और पुस्तिकाओं से पोस्टर बना सकते हैं
- वर्तमान विषय से संबंधित वस्तुएं और शिल्पकृतियाँ ला सकते हैं
- अपने छात्रों के काम को प्रदर्शित कर सकते हैं
- छात्रों को उत्सुक बनाए रखने और नई शिक्षण-प्रक्रिया को प्रेरित करने के लिए कक्षा में प्रदर्शित चीजों को बदलें।

अपनी कक्षा में स्थानीय विशेषज्ञों का उपयोग करना

यदि आप गणित में पैसे या परिमाणों पर काम कर रहे हैं, तो आप बाज़ार के व्यापारियों या दर्जियों को कक्षा में आमंत्रित कर सकते हैं और उन्हें यह समझाने को कह सकते हैं कि वे अपने काम में गणित का उपयोग कैसे करते हैं। वैकल्पिक रूप से, यदि आप कला विषय के अंतर्गत परिपाटियों और आकारों जैसे विषय पर काम कर रहे हैं, तो आप मेहंदी डिजाइनरों को स्कूल में बुला सकते हैं ताकि वे भिन्न-भिन्न आकारों, डिजाइनों, परम्पराओं और तकनीकों को समझा सकें। अतिथियों को आमंत्रित करना तब सबसे उपयोगी होता है जब शैक्षणिक लक्ष्यों के साथ संबंध हर एक व्यक्ति को स्पष्ट होता है और सामयिकता की साझा अपेक्षाएं मौजूद होती हैं।

आपके पास स्कूल समुदाय में विशेषज्ञ उपलब्ध हो सकते हैं जैसे (रसोइया या देखभालकर्ता) जिन्हें छात्रों द्वारा अपने शिक्षण के संबंध में प्रतिबिंबित किया जा सकता है अथवा वे उनके साथ साक्षात्कार कर सकते हैं; उदाहरण के लिए, पकाने में इस्तेमाल की जाने वाली मात्राओं का पता लगाने के लिए, या स्कूल के मैदान या भवनों पर मौसम संबंधी स्थितियों का कैसे प्रभाव पड़ता है।

बाह्य पर्यावरण का उपयोग करना

आपकी कक्षा के बाहर ऐसे अनेक संसाधन उपलब्ध हैं, जिनका प्रयोग आप अपने पाठों में कर सकते हैं। आप पत्तों, मकड़ियों, पौधों, कीटों, पत्थरों या लकड़ी जैसी वस्तुओं को एकत्रित कर सकते हैं (या अपनी कक्षा से एकत्रित करने को कह सकते हैं)। इन संसाधनों को अंदर लाने से कक्षा में रूचिकर प्रदर्शन तैयार किए जा सकते हैं जिनका संदर्भ पाठों में किया जा सकता है। इनसे चर्चा या प्रयोग आदि करने के लिए वस्तुएं प्राप्त हो सकती हैं जैसे वर्गीकरण से संबंधित गतिविधि, या सजीव या निर्जीव वस्तुएं। बस की समय सारणियों या विज्ञापनों जैसे संसाधन भी आसानी से उपलब्ध हो सकते हैं जो आपके स्थानीय समुदाय के लिए प्रासंगिक हो सकते हैं – इन्हें शब्दों को पहचानने, गुणों की तुलना करने या यात्रा के समयों की गणना करने के कार्य निर्धारित करके शिक्षा के संसाधनों में बदला जा सकता है।

कक्षा में बाहर से वस्तुएं लाई जा सकती हैं- लेकिन बाहरी स्थान भी आपकी कक्षा का विस्तार हो सकते हैं। आम तौर पर सभी छात्रों के लिए चलने-फिरने और अधिक आसानी से देखने के लिए बाहर अधिक जगह होती है। जब आप सीखने के लिए अपनी कक्षा को बाहर ले जाते हैं, तो वे निम्नलिखित गतिविधियो को कर सकते हैं:

- दूरियों का अनुमान करना और उन्हें मापना
- यह दर्शाना कि घेरे पर हर बिन्दु केन्द्रीय बिन्दु से समान दूरी पर होता है
- दिन के भिन्न समयों पर परछाइयों की लंबाई रिकार्ड करना
- संकेतों और निर्देशों को पढ़ना
- साक्षात्कार और सर्वेक्षण आयोजित करना
- सौर पैनलों की खोज करना
- फसल की वृद्धि और वर्षा की निगरानी करना।

बाहर, उनका शिक्षण वास्तविकताओं तथा उनके स्वयं के अनुभवों पर आधारित होता है, तथा शायद अन्य संदर्भों में अधिक लागू हो सकता है।

यदि आपके बाहर के काम में स्कूल के परिसर को छोड़ना शामिल हो तो, जाने से पहले आपको स्कूल के मुख्याध्यापक की अनुमति लेनी चाहिए, समय सारणी बनानी चाहिए, सुरक्षा की जाँच करनी चाहिए और छात्रों को नियम स्पष्ट करने चाहिए। इससे पहले कि आप बाहर जाएं, आपको और आपके छात्रों को यह बात स्पष्ट रूप से पता होनी चाहिए कि किस संबंध में जानकारी प्राप्त की जाएगी।

संसाधनों का अनुकूलन करना

चाहें तो आप मौजूदा संसाधनों को अपने छात्रों के लिए कहीं अधिक उपयुक्त बनाने हेतु उन्हें अनुकूलित कर सकते हैं। ये परिवर्तन छोटे से हो सकते हैं किंतु बड़ा अंतर ला सकते हैं, विशेष तौर पर यदि आप शिक्षण को कक्षा के सभी छात्रों के लिए प्रासंगिक बनाने का प्रयास कर रहे हैं। उदाहरण के लिए, आप स्थान और लोगों के नाम बदल सकते हैं यदि वे दूसरे राज्य से संबंधित है, या गाने में व्यक्ति के लिंग को बदल सकते हैं, या कहानी में शारीरिक रूप से अक्षम बच्चे को शामिल कर सकते हैं। इस तरह से आप संसाधनों को अधिक समावेशी और अपनी कक्षा और उनकी शिक्षण-प्रक्रिया के उपयुक्त बना सकते हैं।

साधन संपन्न होने के लिए अपने सहकर्मियों के साथ काम करें; संसाधनों को विकसित करने और उन्हे अनुकूलित करने के लिए आपके बीच ही आपको कई कुशल व्यक्ति मिल जाएंगे। एक सहकर्मी के पास संगीत, जबकि दूसरे के पास कठपुतलियाँ बनाने या कक्षा के बाहर के विज्ञान को नियोजित करने के कौशल हो सकते हैं। आप अपनी कक्षा में जिन संसाधनों को उपयोग करते हैं उन्हें अपने सहकर्मियों के साथ साझा कर सकते हैं ताकि अपने स्कूल के सभी क्षेत्रों में एक प्रचुर शिक्षण पर्यावरण बनाने में आप सबकी सहायता हो सके।

संदर्भ/संदर्भग्रंथ सूची

Encouraging book talk in the school library, Open University OpenLearn unit. Available from: http://www.open.edu/openlearn/education/encouraging-book-talk-the-school-library/content-section-0 (accessed 9 August 2014).

Elmore, R.F. (1979) 'Backward mapping: implementation research and policy decisions', *Political Science Quarterly*, vol. 94, no. 4 (winter 1979/80), pp. 601–16.

Enhancing pupil learning on museum visits, Open University OpenLearn unit. Available from: http://www.open.edu/openlearn/education/enhancing-pupil-learning-on-museum-visits/content-section-1 (accessed 9 August 2014).

Teachers sharing resources online, Open University OpenLearn unit. Available from: http://www.open.edu/openlearn/education/teachers-sharing-resources-online/content-section-0 (accessed 9 August 2014).

TESSA: using local resources – Track 1, Open University OpenLearn unit. Available from: http://www.open.edu/openlearn/education/tessa-using-local-resources (accessed 9 August 2014).

अभिस्वीकृतियाँ

यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरएलाइक लाइसेंस (http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/) के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है, जब तक कि अन्यथा निर्धारित न किया गया हो। यह लाइसेंस TESS-India, OU और UKAID लोगो के उपयोग को वर्जित करता है, जिनका उपयोग केवल TESS-India परियोजना के भीतर अपरिवर्तित रूप से किया जा सकता है।

कॉपीराइट के स्वामियों से संपर्क करने का हर प्रयास किया गया है। यदि किसी को अनजाने में अनदेखा कर दिया गया है, तो पहला अवसर मिलते ही प्रकाशकों को आवश्यक व्यवस्थाएं करने में हर्ष होगा।

वीडियो (वीडियो स्टिल्स सहित): भारत भर के उन अध्यापक शिक्षकों, मुख्याध्यापकों, अध्यापकों और छात्रों के प्रति आभार प्रकट किया जाता है जिन्होंने उत्पादनों में दि ओपन यूनिवर्सिटी के साथ काम किया है।